संख्या-531/2017/190/22-2-2017-17(192)/2017

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 10 जुलाई, 2017***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी घनश्याम सिंह पुत्र श्री इकबाल सिंह निवासी जनपद-कानपुर नगर की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-44244-359/प्रोबेशन-3/2016(एम-17-11-2016) दिनांक-16-12-2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी घनश्याम सिंह पुत्र श्री इकबाल सिंह, निवासी-करौली, थाना-बिधनू, जनपद-कानपुर नगर का रहने वाला है। बन्दी ने नहर से खेतों की सिंचाई को लेकर चल रहे विवाद एवं मुकदमेंबाजी के कारण 03 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 14.10.1979 को दोपहर 12:00 लाठी, तब्बल एवं भाला से मारकर 02 व्यक्तियों की हत्या की। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-10एम/1980में भा0द0वि0 की धारा-302/34, 323/34, 324/34 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश (कोर्ट सं0-6), कानपुर के आदेश दिनांक 25.09.1980 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 17.09.1999 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 03.03.2016 तक 16 वर्ष 01 माह 07 दिन की अपरिहार सजा तथा 21 वर्ष 04 माह 08 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण संतोषजनक है। बन्दी के 03 सहअभियुक्त कारागार में निरूद्ध हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की गयी है लेकिन प्रोबेशन बोर्ड की आख्या में यह उल्लेख किया गया है कि बन्दी ने नहर से खेतों की सिंचाई को लेकर चल रहे विवाद एवं मुकदमेंबाजी में 03 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 14.10.1979 को लाठी, तब्बल एवं भाला से मारकर 02 व्यक्तियों की हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। जेल रिपोर्ट के अनुसार बन्दी का स्वास्थ्य एवं मानसिक दशा संतोषजनक है। पुलिस अधीक्षक द्वारा 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी की उम्र 58 वर्ष होने, बन्दी के अशक्त न होने, जेल में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने के आधार पर रिहाई का प्रबल विरोध किया गया है। इस

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, एवं जघन्यता के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी घनश्याम सिंह पुत्र श्री इकबाल सिंह को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- अत: उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी घनश्याम सिंह (बन्दी संख्या-12279) पुत्र श्री इकबाल सिंह निवासी जनपद-कानपुर नगर के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तद्नुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-531/2017/190(1)/22-2-2017 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, कानपुर नगर।

2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़।

3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्ंया-531/2017/190/22-2-2017-17(192)/2017

दिनांक 10 जुलाई, 2017 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी घनश्याम सिंह पुत्र श्री इकबाल सिंह, निवासी-करौली, थाना-बिधनू, जनपद-कानपुर नगर का रहने वाला है। बन्दी ने नहर से खेतों की सिंचाई को लेकर चल रहे विवाद एवं मुकदमेंबाजी के कारण 03 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 14.10.1979 को दोपहर 12:00 लाठी, तब्बल एवं भाला से मारकर 02 व्यक्तियों की हत्या की। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-10एम/1980में भा0द0वि0 की धारा-302/34, 323/34, 324/34 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश (कोर्ट सं0-6), कानपुर के आदेश दिनांक 25.09.1980 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 17.09.1999 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 03.03.2016 तक 16 वर्ष 01 माह 07 दिन की अपरिहार सजा तथा 21 वर्ष 04 माह 08 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण संतोषजनक है। बन्दी के 03 सहअभियुक्त कारागार में निरूद्ध हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की गयी है लेकिन प्रोबेशन बोर्ड की आख्या में यह उल्लेख किया गया है कि बन्दी ने नहर से खेतों की सिंचाई को लेकर चल रहे विवाद एवं मुकदमेंबाजी में 03 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 14.10.1979 को लाठी, तब्बल एवं भाला से मारकर 02 व्यक्तियों की हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। जेल रिपोर्ट के अनुसार बन्दी का स्वास्थ्य एवं मानसिक दशा संतोषजनक है। पुलिस अधीक्षक द्वारा 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी की उम्र 58 वर्ष होने, बन्दी के अशक्त न होने, जेल में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने के आधार पर रिहाई का प्रबल विरोध किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, एवं जघन्यता के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी घनश्याम सिंह पुत्र श्री इकबाल सिंह को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in